"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था,कोल्हापूर, संचालित
दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी
हिंदी विभाग
प्रोग्राम पेसिफिक आऊटकम (PSO) 2023-24

अ.नं	कोर्स	प्रोग्राम पेसिफिक आऊटकम
1	बी.ए. भाग -1 (सत्र- I, II) अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B वैकल्पिक हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B बी.कॉम भाग –1 अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B	1) छात्रों को हिंदी भाषा तथा व्याकरण की सामान्य जानकारी प्राप्त होकर उन्हें सृजनात्मक लेखन एवं व्यावहारिक लेखन कौशल्य विकास होने में मदत होगी। 2) छात्र मानक वर्तनी के नियमो से तथा उसमें होनेवाली अशुद्धियों से परिचित होंगे। 3) छात्र विविध विधाओं से परिचित होंगे तथा उनमें साहित्य के प्रति रुचि बढेगी। 4) छात्रों में श्रवण, पठन, लेखन, विचार तथा कल्पना क्षमता का विकास होकर उन्नमें नैतिक मुल्य, राष्ट्र प्रेम, एकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।
2	बी.ए. भाग- 2 (सत्र- III, IV) प्रश्नपत्र – III – आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य प्रश्नपत्र – IV – मध्यकालीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य प्रश्नपत्र – V आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य प्रश्नपत्र – VI आधुनिक हिंदी काव्य प्रश्नपत्र क्र.1 प्रयोजन मूलक हिंदी I प्रश्नपत्र क्र.2	1) छात्र नाटक, कथा, कथेत्तर साहित्य की प्रासंगिकता एवं नाटक की रंगमंचीयता से अवगत होकर उसके स्वरूप, तत्व एवं प्रकारो की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) छात्र हिंदी साहित्य की विविध विधाएँ एवं कावियों से परिचित होकर उनमें साहित्य के प्रति रुचि बढेगी तथा उनमें नैतिक राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्त्व के प्रति आस्था निर्माण होगी। 3) छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण,पठन एवं लेखन की क्षमता का विकास होकर उनमें हिंदी के व्यावहारिक पक्ष, वाणिज्य व्यवहार में हिंदी भाषा का विकास तथा हिंदी में कार्य करने की रुचि बढेगी। 4) कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी का कौसल्य विकसित होकर उन्हें रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान कराने में सहायता होगी।

Edit with WPS Office

	प्रयोजन मूलक हिंदी II	

डॉ. अंजली उबाळे

Edit with WPS Office

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था,कोल्हापूर, संचालित

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

हिंदी विभाग

कोर्स आऊटकम (CO)

2023-24

—. नं	कोर्स	कोर्स आऊटकम
1.	बी.ए. भाग - I (सत्र- I) अनिवार्य हिंदी, बी.कॉम भाग – I अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – A (सृजनात्मक लेखन)	1. छात्रों को हिंदी भाषा तथा व्याकरण का अध्ययन कराना। 2. छात्रों को सृजनात्मक लेखन का सामान्य परिचय देना। 3. सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं से छात्रों को परिचित कराना। 4. विविध विधाएँ कविता, कहानी, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, दृश्य साहित्य, पत्रकारिता आदि से छात्रों को अवगत कराना तथा छात्रों को सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों के महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।
	बी.ए. भाग - I (सत्र- II) अनिवार्य हिंदी, बी.कॉम भाग – I अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – B (व्यावहारिक लेखन)	1. हिंदी के विविध रूपों से छात्रों से अवगत कराना। 2. छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी से परिचित कराना। 3. पत्राचार का स्वरूप एवं प्रकारों से छात्रों को अवगत कराना। 4. व्यावहारिक लेखन में छात्रों को अनुवाद,विज्ञापन और समाचार लेखन से परिचित कराना।
	बी.ए. भाग – I (सत्र- I, II) प्रश्नपत्र – A-B वैकल्पिक हिंदी	1. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना। 2. छात्रों को हिंदी साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना। 3. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित कराना। छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन, लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना। 4. निबंध, कहानी, रेखाचित्र, एकांकी, रिपोर्ताज, संस्मरण, व्यंग आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास कराना।
	बी.ए. भाग- II (सत्र- III,) 1.प्रश्नपत्र – III – आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	1. छात्रों को कहानी साहित्य का स्वरूप, तत्व एवं प्रकारों का अध्ययन कराना। 2. छात्रों में साहित्य के प्रति रुचि बढाना। 3. छात्रों को कथा और कथेतर साहित्य का वर्तमान प्रासंगिकता के साथ अध्ययन कराना। 4. छात्रों को कथेत्तर साहित्य से परिचित कराना।

Edit with WPS Office

	बी.ए. भाग- II (सत्र- IV) 2. प्रश्नपत्र – V आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	1. छात्रों को हिंदी नाटक का स्वरूप, तत्व एवं प्रकारो का अध्ययन कराना । 2. छात्रों को नाटक की रंगमंचीयता से अवगत कराना । 3. नाटक साहित्य का वर्तमान प्रासंगिकता के साथ अध्ययन कराना। 4. छात्रों में नाटक के प्रति रुचि बढाना ।
	बी.ए. भाग- II (सत्र- III) 3.प्रश्नपत्र – IV – मध्यकालीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य	1. छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना। 2. छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना। 3. छात्रों को मध्यकालीन हिंदी कवियों से परिचित कराना। 4. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्यएवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण करना।
	बी.ए. भाग- II (सत्र- IV) 4. प्रश्नपत्र – VI आधुनिक हिंदी काव्य	1. छात्रों को हिंदी के पद्य साहित्य से परिचित कराना। 2. छात्रों को आधुनिक हिंदी कवियों से परिचित कराना। 3. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तर दायित्त्व के प्रति आस्था निर्माण कराना। 4. छात्रों को हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढाना तथा साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
	बी.ए. भाग- II (सत्र- III) प्रश्नपत्र क्र.1 प्रयोजनमूलक हिंदी I	1. छात्रों हिंदी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना। 2. छात्रों के लिए वाणिज्यिक व्यवहार में हिंदी भाषा को प्रज्वलित कराना। 3. छात्रों में हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित कराना। 4. छात्रों को रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान कराना। 5. छात्रों को कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल विकास विकसित कराना।
	बी.ए. भाग- II (सत्र- IV) प्रश्नपत्र क्र.2 प्रयोजनमूलक हिंदी II	1. छात्रों हिंदी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना। 2. छात्रों के लिए वाणिज्यिक व्यवहार में हिंदी भाषा को प्रज्वलित कराना। 3. छात्रों में हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित कराना। 4. छात्रों को रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान कराना। 5. छात्रों को कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल विकास विकसित कराना।

डॉ. अंजली उबाळे

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office